8 जनवरी 2025: समसामयिक घटनाक्रम

1. ईरान ने नतांज परमाणु संयंत्र के पास सैन्य अभ्यास किया

ईरान ने अपने नतांज परमाणु संयंत्र के पास 'इक्तेदार' नामक सैन्य अभ्यास शुरू किया। इस अभ्यास का उद्देश्य देश की वायु रक्षा प्रणालियों की परीक्षण और मजबूती करना है, जबकि उसके परमाणु कार्यक्रम और यूरेनियम संवर्धन को लेकर लगातार चिंताएँ बनी हुई हैं।

2. भारतीय नौसेना को यार्ड **132 ACTCM** बार्ज मिला

भारतीय नौसेना ने अपनी नौसेना के बेड़े में नया एएमयूएनिशन कम टारपीडो कम मिसाइल (ACTCM) बार्ज, यार्ड 132, शामिल किया। यह एसपीएल लिमिटेड के साथ हुए अनुबंध के तहत आठवां जहाज है, जो नौसेना की गोला-बारूद और टारपीडो संचालन क्षमता को बेहतर बनाएगा।

3. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मालदीव के समकक्ष से मिलेंगे

Plutus Academy

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मालदीव के रक्षा मंत्री से मुलाकात करने वाले हैं, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों को मजबूत करना है। यह बैठक भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति को मजबूत करती है और दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

4. उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया

उत्तर कोरिया ने एक नई हाइपरसोनिक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया, जो ध्वनि की गति से 12 गुना तेज गति से यात्रा कर सकती है। इस मिसाइल ने 1,500 किलोमीटर की दूरी तय की, जिससे दक्षिण कोरिया और पड़ोसी देशों में सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर चिंता बढ़ी है।

5. भारत ने **Su-30MKI** से ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण किया

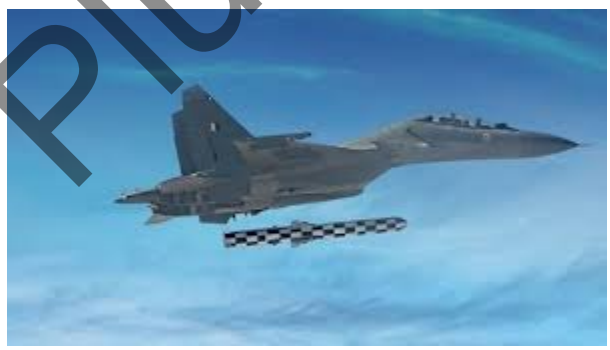

भारतीय वायु सेना ने अपने Su-30MKI लड़ाकू विमान से ब्रह्मोस एयर-लॉन्च क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया, जो इसकी सटीकता और लक्ष्यों पर प्रहार क्षमता को साबित करता है। यह परीक्षण भारत

Plutus Academy

की वायु रक्षा क्षमता और सुरक्षा की मजबूती को दर्शाता है।

6. चीन ने ताइवान के पास सैन्य अभ्यास बढ़ाने की योजना बनाई

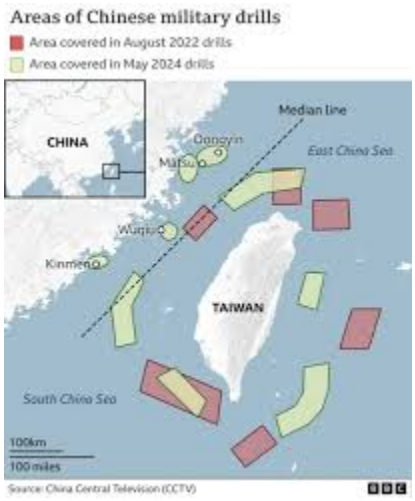

चीन ने ताइवान के पास अपने सैन्य अभ्यासों को बढ़ाने की घोषणा की है। यह अभ्यास ताइवान की बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति के विरोध में चीन की शक्ति प्रदर्शन है, जो क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा सकता है।

7. भारत ने **26** फ्रांसीसी राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के लिए समझौता किया

भारत ने फ्रांस के साथ 26 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए समझौता किया है, जिससे उसकी वायु रक्षा क्षमता में वृद्धि होगी। यह समझौता भारत और फ्रांस के बीच रक्षा संबंधों को और मजबूत करने में मदद करेगा, और ये विमान 2027 तक भारतीय वायु सेना में शामिल होंगे।

Plutus Academy